B.Ed. 2nd Year
Session – 2018-2020
Subject – Pedagogy of History
Course – 7 (B)/Unit – 2(d)
Topic – इतिहास–पाठ्यक्रम में तथ्यों का संगठन
(Organisation of Facts in History-Curriculum)
Lecture No. - 48

Dr. Amod Kumar Sinha
(Assistant Professor)
Department of Education
A.N. D. College
Shahpur Patory
Samastipur

Continued from pevious lecture....

3. **प्रकरण विधि (Topical Method)** - इस विधि के द्वारा कालक्रम के अनुसार इतिहास के प्रकरण बनाए जाते हैं। प्रत्येक काल को उपकाल या प्रकरणों में विभक्त किया जात है। जैसे - भारत में आर्य, आर्य संस्कृति का प्रसार, चंद्रगुप्त मौर्य का शासन, आदि। इस विधि के प्रमुख गुण इस प्रकार हैं -

   (a)इतिहास का विस्तृत विवेचन संभव
   (b) तथ्यों का संगठन संभव
   (c)सामाजिक ज्ञान का अर्जन
   (d) शिक्षण के लिए उपयुक्त

4. **परावर्तन विधि (Regressive Method)** - इस विधि का आधार, वर्तमान अतीत की देन है। इसे हमें कुछ समय पूर्व के भूतकाल से आरंभ करना चाहिए। इसमें ज्ञात से अज्ञात का अनुसरण किया जाता है। मनोविज्ञान पर आधारित होते हुए भी यह विधि तर्कपूर्ण नहीं है। पढ़ाते समय कभी भूत, कभी भविष्य तथा कभी वर्तमान में जाना पड़ता है।

इतिहास-पाठ्यक्रम का संगठन करते समय पाठ्यक्रम के विभिन्न सिद्धांतों, आधारों, एवं विधियों का ध्यान रखा जाना चाहिए। किस प्रकरण को कब, किस स्तर पर रखा जाए , इसे सुनिश्चित करने के लिए परिवेश तथा परिस्थिति का ध्यान रखना आवश्यक है। हमारे देश भारत मे जो प्रकरण एवं सिलेबस अपनाया गया है, वह इस प्रकार है -

1. **प्राचीन संस्कृति** - इतिहास का आरंभ मानव जाति के उद्गम तथा विकास से होना चाहिए। विभन्न देशों की संस्कृतियों का परिचय दिया जाना चाहिए। **के. डी. घोष**

के अनुसार, हमें पाठ्यक्रम में ग्रीस , मिश्र, बेबीलोन आदि देशों की प्राचीन संस्कृतियों की कहानियाँ रखनी चाहिए। इससे बालक को विकास के क्रम को समझने में सक्षम होंगे। ये कहानियाँ सरल एवं रूपरेखा के रूप में होंगी।

2. **राष्ट्रीय इतिहास** – राष्ट्रीय इतिहास पाठ्यक्रम का केन्द्र-बिन्दु होना चाहिए। देश में आने वाली जातियों, प्रजातियों तथा वर्गों के उत्थान, पतन, तथा समायोजन का ज्ञान दिया जाए।

3. **स्थानीय इतिहास** – इतिहास एक सतत प्रक्रिया एवं अविभाज्य इकाई है। इस दृष्टि से बालकों के लिए स्थानीय इतिहास का महत्व जानना आवश्यक है। हरलॉक के अनुसार, स्थानीय इतिहास का अध्ययन वास्तविक महत्व का होता है और विद्यालय में इसे अवश्य स्थान मिलना चाहिए। स्थानीय इतिहास ही राष्ट्रीय इतिहास का निर्माण करता है।

4. **विश्व इतिहास** – **जरविस** के अनुसार, इतिहास संपूर्ण एकता है और विश्व इतिहास के द्वारा इसे पाया जा सकता है। विश्व इतिहास में ये प्रकरण रखे जाने चाहिए -

   i. शिकारी मानव
   ii. पशुपालन अवस्था
   iii. कृषियुगीन मानव
   iv. मिश्र के लोग – जहाँ अनाज पैदा हुआ
   v. बेबीलोनिया के लोग – नहर निर्माण, सिंचाई तथा लेख कला
   vi. मोहनजादड़ो की सभ्यता

समाप्त